



Rani

11 Feb 2026

01:50 PM

Delhi

Model: web-freekundliweb

Order No: 121307606

लिंग \_\_\_\_\_: पुल्लिंग  
जन्म तिथि \_\_\_\_\_: 11/02/2026  
दिन \_\_\_\_\_: बुधवार  
जन्म समय \_\_\_\_\_: 13:50:00 घंटे  
इष्ट \_\_\_\_\_: 16:57:20 घटी  
स्थान \_\_\_\_\_: Delhi  
देश \_\_\_\_\_: India

अक्षांश \_\_\_\_\_: 28:39:00 उत्तर  
रेखांश \_\_\_\_\_: 77:13:00 पूर्व  
मध्य रेखांश \_\_\_\_\_: 82:30:00 पूर्व  
स्थानिक संस्कार \_\_\_\_\_: -00:21:08 घंटे  
ग्रीष्म संस्कार \_\_\_\_\_: 00:00:00 घंटे  
स्थानिक समय \_\_\_\_\_: 13:28:52 घंटे  
वेलान्तर \_\_\_\_\_: -00:14:13 घंटे  
साम्पातिक काल \_\_\_\_\_: 22:54:31 घंटे  
सूर्योदय \_\_\_\_\_: 07:03:03 घंटे  
सूर्यास्त \_\_\_\_\_: 18:08:02 घंटे  
दिनमान \_\_\_\_\_: 11:04:58 घंटे  
सूर्य स्थिति(अयन) \_\_\_\_\_: उत्तरायण  
सूर्य स्थिति(गोल) \_\_\_\_\_: दक्षिण  
ऋतु \_\_\_\_\_: शिशिर  
सूर्य के अंश \_\_\_\_\_: 28:23:07 मकर  
लग्न के अंश \_\_\_\_\_: 03:18:58 मिथुन

#### अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति \_\_\_\_\_: मिथुन - बुध  
राशि-स्वामी \_\_\_\_\_: वृश्चिक - मंगल  
नक्षत्र-चरण \_\_\_\_\_: ज्येष्ठा - 1  
नक्षत्र स्वामी \_\_\_\_\_: बुध  
योग \_\_\_\_\_: व्याघात  
करण \_\_\_\_\_: वणिज  
गण \_\_\_\_\_: राक्षस  
योनि \_\_\_\_\_: मृग  
नाड़ी \_\_\_\_\_: आद्य  
वर्ण \_\_\_\_\_: विप्र  
वश्य \_\_\_\_\_: कीटक  
वर्ग \_\_\_\_\_: सर्प  
युँजा \_\_\_\_\_: अन्त्य  
हंसक \_\_\_\_\_: जल  
जन्म नामाक्षर \_\_\_\_\_: नो-नौनिहाल  
पाया(राशि-नक्षत्र) \_\_\_\_\_: स्वर्ण - ताम्र  
सूर्य राशि(पाश्चात्य) \_\_\_\_\_: कुम्भ

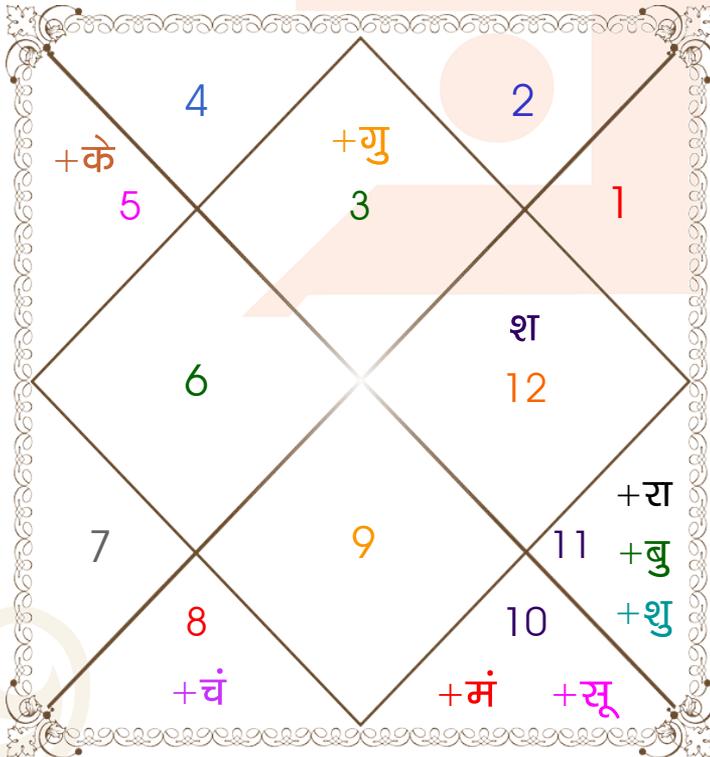
## ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मिथु	03:18:58	334:51:32	मृगशिरा	3	5	बुध	मंगल	शुक्र	---
सूर्य			मक	28:23:07	01:00:42	धनिष्ठा	2	23	शनि	मंगल	शनि	शत्रु राशि
चंद्र			वृश्चि	18:07:49	11:53:29	ज्येष्ठा	1	18	मंगल	बुध	बुध	नीच राशि
मंगल		अ	मक	20:37:13	00:47:10	श्रवण	4	22	शनि	चंद्र	शुक्र	उच्च राशि
बुध			कुंभ	13:19:03	01:39:17	शतभिषा	2	24	शनि	राहु	बुध	सम राशि
गुरु		व	मिथु	22:06:17	00:05:13	पुनर्वसु	1	7	बुध	गुरु	शनि	शत्रु राशि
शुक्र			कुंभ	06:55:33	01:15:09	शतभिषा	1	24	शनि	राहु	राहु	मित्र राशि
शनि			मीन	05:29:10	00:06:28	उ०भाद्रपद	1	26	गुरु	शनि	बुध	सम राशि
राहु		व	कुंभ	14:53:33	00:01:26	शतभिषा	3	24	शनि	राहु	केतु	मित्र राशि
केतु		व	सिंह	14:53:33	00:01:26	पू०फाल्गुनी	1	11	सूर्य	शुक्र	शुक्र	शत्रु राशि
हर्ष			वृष	03:15:33	00:00:23	कृतिका	2	3	शुक्र	सूर्य	शनि	---
नेप			मीन	06:13:19	00:01:53	उ०भाद्रपद	1	26	गुरु	शनि	बुध	---
प्लूटो			मक	09:47:48	00:01:50	उत्तराषाढा	4	21	शनि	सूर्य	शुक्र	---
दशम भाव			कुंभ	18:01:34	--	शतभिषा	--	24	शनि	राहु	सूर्य	--

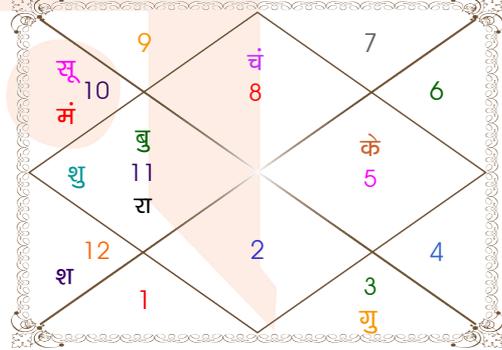
व - वकी स - स्थिर  
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त  
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:13:26

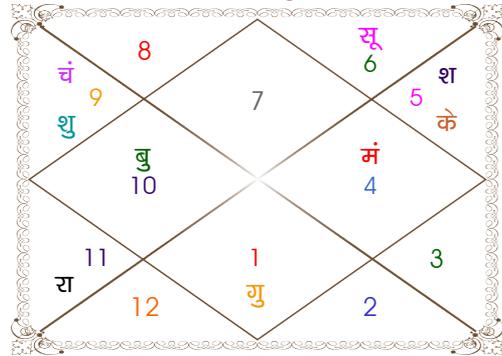
### लग्न-चलित



### चन्द्र कुंडली



### नवमांश कुंडली



## विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : बुध 15 वर्ष 1 मास 18 दिन

बुध 17 वर्ष	केतु 7 वर्ष	शुक्र 20 वर्ष	सूर्य 6 वर्ष	चंद्र 10 वर्ष
11/02/2026	01/04/2041	31/03/2048	31/03/2068	01/04/2074
01/04/2041	31/03/2048	31/03/2068	01/04/2074	31/03/2084
बुध 28/08/2026	केतु 28/08/2041	शुक्र 01/08/2051	सूर्य 19/07/2068	चंद्र 30/01/2075
केतु 25/08/2027	शुक्र 28/10/2042	सूर्य 31/07/2052	चंद्र 18/01/2069	मंगल 31/08/2075
शुक्र 25/06/2030	सूर्य 05/03/2043	चंद्र 01/04/2054	मंगल 25/05/2069	राहु 01/03/2077
सूर्य 02/05/2031	चंद्र 04/10/2043	मंगल 01/06/2055	राहु 19/04/2070	गुरु 01/07/2078
चंद्र 30/09/2032	मंगल 01/03/2044	राहु 01/06/2058	गुरु 05/02/2071	शनि 31/01/2080
मंगल 27/09/2033	राहु 20/03/2045	गुरु 30/01/2061	शनि 18/01/2072	बुध 01/07/2081
राहु 16/04/2036	गुरु 23/02/2046	शनि 31/03/2064	बुध 24/11/2072	केतु 30/01/2082
गुरु 23/07/2038	शनि 04/04/2047	बुध 30/01/2067	केतु 01/04/2073	शुक्र 01/10/2083
शनि 01/04/2041	बुध 31/03/2048	केतु 31/03/2068	शुक्र 01/04/2074	सूर्य 31/03/2084

मंगल 7 वर्ष	राहु 18 वर्ष	गुरु 16 वर्ष	शनि 19 वर्ष	बुध 17 वर्ष
31/03/2084	01/04/2091	02/04/2109	02/04/2125	01/04/2144
01/04/2091	02/04/2109	02/04/2125	01/04/2144	00/00/0000
मंगल 28/08/2084	राहु 12/12/2093	गुरु 21/05/2111	शनि 04/04/2128	बुध 12/02/2146
राहु 15/09/2085	गुरु 07/05/2096	शनि 01/12/2113	बुध 14/12/2130	00/00/0000
गुरु 22/08/2086	शनि 14/03/2099	बुध 08/03/2116	केतु 22/01/2132	00/00/0000
शनि 01/10/2087	बुध 01/10/2101	केतु 12/02/2117	शुक्र 24/03/2135	00/00/0000
बुध 27/09/2088	केतु 20/10/2102	शुक्र 14/10/2119	सूर्य 05/03/2136	00/00/0000
केतु 23/02/2089	शुक्र 20/10/2105	सूर्य 01/08/2120	चंद्र 04/10/2137	00/00/0000
शुक्र 25/04/2090	सूर्य 13/09/2106	चंद्र 01/12/2121	मंगल 13/11/2138	00/00/0000
सूर्य 31/08/2090	चंद्र 14/03/2108	मंगल 07/11/2122	राहु 19/09/2141	00/00/0000
चंद्र 01/04/2091	मंगल 02/04/2109	राहु 02/04/2125	गुरु 01/04/2144	00/00/0000

- ❖ उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल बुध 15 वर्ष 1 मा 16 दि होता है।
- ❖ उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

## लग्न फल

आपका जन्म मृगशिरा नक्षत्र के तृतीयपाद से मिथुन लग्न में हुआ था। आपके जन्मकाल मेदिनीय क्षितिज पर मिथुन लग्न के साथ-साथ तुला का नवमांश एवं मिथुन राशि का द्रेष्काण भी उदित था। ज्योतिषीय स्वरूप से स्पष्ट रूपेण यह सूचित हो रहा है कि आप अपने जीवन में धन-संपत्ति संग्रह करने की क्रिया को महत्व देंगे। परंतु यदि आप अपनी जीवन वृत्ति के लिए बिना मार्गदर्शन लिए ही किसी प्रकार की अगुआई किए तो परिणाम स्वरूप बहुत बड़ी समस्या उत्पन्न हो जाएगी। अन्य राशियों की वास्तविकता मिथुन लग्न एवं नवांश का प्रभाव जितना यौगिक शक्ति संपन्न है उतना ही क्षति कारक भी है। ऐसे जातक के जीवन में स्वतः सहजता पूर्वक कर्म पथ पर व्यवधान उत्पन्न हो जाते हैं। परंतु आप उस दिक्कतों को निष्पादन कर सकते हैं।

आप लंबे आकृति के कृशकाय एवं चमकीली आंखों वाले उदाहरणीय प्राणी हैं। आप विपरीत योनि के प्राणी को बहुत पसंद करते हैं। फलस्वरूप आप नारी के प्रति आकर्षित तथा कामोत्तेजित होकर आनंद विभोर एवं आसक्त हो जाते हैं। इस प्रवृत्ति से आपके स्वास्थ्य ही नहीं बिगड़ेगे। बल्कि इसी बिंदु पर आपका (घरेलू) पारिवारिक वातावरण दुषित हो जाएगा तथा घरेलू शांति भंग हो जाएगी। सर्वदा कामोत्तेजना एवं मैथुन क्रिया अर्थात् वासनायुक्त कार्यकलाप के परिणामस्वरूप, आपकी प्रजनन शक्ति दुर्बल तथा संतानोत्पत्ति की संभावना क्षीण हो जाएगी। अन्य के साथ कामवासना युक्त होना चिरस्थायी सिरदर्दी के मूल कारण बन जाएंगे। क्योंकि मिथुन लग्न/राशि से प्रभावित जातक अति सतर्कता पूर्वक अपने जीवन संगिनी का चयन कर लेते हैं। यह स्वाभाविक गुण उन में विद्यमान रहती है। पति-पत्नी का आपसी संबंध और सेवा भावना की अति उत्तमता हेतु इन दोनों का जन्म लग्न या राशि सिंह, तुला मेष एवं कुंभ राशि हो, तो इनका पारिवारिक जीवन अपेक्षाकृत संतुलित रहता है।

आप में अत्यंत दुर्बलता यह है कि मिथुन राशि के अंतर्गत आपका जन्म आपको अस्थिर बुद्धि का बना दिया है। इन राशि लग्न से प्रभावित प्राणी अपने मन को कार्य के अनुरूप अपने हाथ से नहीं बना पाते- क्योंकि इनमें दृढ़ता पूर्वक एकाग्रता के अभाव को दूर करने में असफलता विद्यमान है। ये उतावलेपन और अस्थिर बुद्धि से किसी भी योजना को बदल कर अपने नये कार्य को करने का विकल्प कर लेते हैं। परिणाम स्वरूप सभी कलाओं में प्रवीण रह कर भी कार्य को नहीं संभाल पाते हैं। ये स्थिरता पूर्वक कार्य को संपादन नहीं कर अनेकों बार अपने कार्य व्यवसाय को परिवर्तित करते हैं।

ये हर दशा में धैर्य धारण करते हैं तथा ये सदैव ही अवाधगति से चलते रहना चाहते हैं। ये कुछ क्षणों के पश्चात् अन्य कार्य योजना को ग्रहण कर एवं उसे शीघ्र सफल कर लेना चाहते हैं। परिणाम स्वरूप निश्चित समय पर उसका परिणाम असंभव हो जाता है।

अतः मिथुन लग्न/राशि से प्रभावित प्राणी बिना विराम लिए ही कार्यरत रहते हैं। इसके प्रभाव से उनका स्वास्थ्य बिगड़ जाता है। क्योंकि ऐसे प्राणी स्थिर नहीं रहते। ये सदैव चिंतित अर्थात् चिंताग्रस्त रहते हैं। इस प्रकार ये आक्रांत होकर, व्यापक रूप से, इन्फ्ल्यूएन्जा,

कंठ रोग, पुरुष संबंधी गुप्त रोग एवं अंग खंडित हो जाए। इस प्रकार के रोग से पीड़ित होते हैं। इस प्रकार के जातक को यथेष्ट रूप से इस प्रकार के रोगों में विश्राम एवं शयन करना चाहिए। साथ ही श्वास सम्बन्धी व्यायाम इनके लिए सहायक सिद्ध हो सकता है।

इनके लिए अनुकूल एवं उपयुक्त व्यवसायों में ट्रेवल एजेंसी, शेयर, निवेशक विधि, सिनेमा का धंधा, एकाउंटेंसी बैंकिंग कार्य, तेल व्यवसाय, श्रृंगार प्रसाधन पेय, मदिरा एवं शैक्षणिक कार्य व्यवसाय अनुकूल है। ये यदि चाहें तो अच्छी सफलता हेतु पराविज्ञान संस्थागत सेवा एवं धार्मिक कार्य कर सकते हैं। अपने जीवन में उत्तमता हेतु मिथुन प्रभावित प्राणी के लिए निम्नांकित निर्देश अनुकरणीय है।

आपके लिए बुधवार, एवं शुक्रवार, का दिन अनुकूल है, तथा मंगलवार रविवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन कठिन एवं हानिप्रद प्रमाणित होगा। शनिवार मध्य फलदायक है।

आपके जीवन से संबंधित कतिपय अंक 7 एवं 3 अंक अनुकूल एवं प्रभावशाली हैं। परंतु अंक 4 एवं 8 अंक आपके लिए अप्रासंगिक हैं।

आपके लिए अनुकूल रंग हरा, गुलाबी जामुनी रंग, पीला और नीला रंग है। लाल रंग आपके लिए प्रतिकूल प्रमाणित होगा।